कोटा, राजस्थान में आयोजित किए जा रहे फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति के शपथ ग्रहण समारोह में भाषण।

---

22 फरवरी, 2020

कोटा, राजस्थान

आज आप सबके बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। सबसे पहले मैं, इस शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रण और मेरे सम्मान में एक नागरिक अभिनंदन के आयोजन के लिए, श्री प्रदीप सुमन और फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति के अन्य पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। आज नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया है।

जैसा कि आप सब जानते हैं, नव वर्ष से नए कैलेंडर वर्ष की शुरुआत होती है और पूरी दुनिया में इसे बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। लोग नव वर्ष का स्वागत अलग-अलग तरह से अनोखे अंदाज में करते हैं। इससे उन्हें एक दूसरे को शुभकामनाएँ देने और मैत्री के बंधन को और मजबूत करने का सुअवसर भी मिलता है।

साथियो, हमें वर्ष 2020 की शुरूआत एक सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण से करना चाहिए। नए साल से हमें नए सिरे से काम शुरू करने और उन सब कामों को पूरा करने का संकल्प करने का अवसर मिलता है जो हम करना चाहते थे, परंतु पिछले सालों में नहीं कर पाए।

मुझे इतना स्नेह और सम्मान देने के लिए मैं यहां उपस्थित सभी लोगों के साथ-साथ कोटा की जनता का भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों को निभाने में आप सबसे मिले समर्थन और सहयोग के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं।

मित्रो, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि जन कल्याण के लिए कार्य करते हुए आम जनता के साथ-साथ फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति जैसी संस्थाओं के साथ जुड़ने का अवसर भी मिलता है।

यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि वर्ष 1997 में अपनी स्थापना के समय से ही फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है और लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से बदलाव लाने का कार्य कर रही है।

मुझे इस बात की खुशी है कि फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति जैसी संस्था सामाजिक कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण के बल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रही है।

सभी के विकास के लिए समावेशी विकास का होना आवश्यक है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि समिति समाज के कमजोर वर्गों के विकास और कल्याण को बहुत महत्व दे रही है।

मुझे इस बात की खुशी है कि आपकी समिति समाज के कमजोर वर्गों के लिए 'सामूहिक परिचय एवं सामूहिक विवाह कार्यक्रम' का आयोजन कर रही है। इसके परिणामस्वरूप अनेक परिवारों को कम से कम खर्च पर अपने पुत्रों और पुत्रियों के लिए उपयुक्त वर-वधू तलाशने में मदद मिली है।

आज भी पूरे देश में विवाहों के दौरान दहेज और इसी तरह की अन्य बुराइयों की घटनाएँ देखने को मिलती हैं, ऐसे में इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन अपने समाज की एक बहुत बडी सेवा है।

सामूहिक विवाह के आयोजन से निर्धन और वंचित वर्गों को बहुत सहयोग मिलता है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम वास्तव में सामाजिक बुराइयों को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन है और इससे अन्य व्यक्तियों को भी दहेज और विवाह से जुड़ी अन्य फिजूलखर्ची जैसी बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा मिलती है ।

मित्रो, इसी से जुडा एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है बाल विवाह का, जिसके बारे में जागरूकता अत्यन्त आवश्यक है। बाल विवाह से मानव अधिकारों का घोर उल्लंघन होता है। विवाहित बच्चों के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। भारत में बाल विवाह की समस्या की जड़ें धार्मिक परपंराओं, सामाजिक प्रथाओं, आर्थिक कारणों तथा लंबे समय से चले आ रहे पूर्वाग्रह आदि जैसी जटिलताओं से जुड़ी हुई हैं।

इस समस्या का समाधान करने के लिए, बाल विवाह के नकारात्मक प्रभावों के बारे में समाज के सभी वर्गों को जागरूक बनाने की आवश्यकता है।

इससे प्रभावित सभी क्षेत्रों में स्त्री-पुरूष समानता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, बालिकाओं की शिक्षा को अधिकाधिक बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। सरकार की पहल 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' से बालिकाओं का स्कूलों में सकल नामांकन अनुपात बढ़ा है।

सरकारी योजनाओं से अधिक, हमारे समाज को बालिकाओं की शिक्षा के प्रति संवेदनशील बनाए जाने और महिलाओं को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से इसी तरह की स्वैच्छिक पहलें किए जाने की आवश्यकता है। मुझे इस बात की खुशी है कि यह समिति बाल विवाह की प्रथा के विरुद्ध जागरूकता विकसित करने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

हमारे देश के महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले भी माली समुदाय के थे। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव के विरुद्ध आन्दोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने अस्पृश्यता के उन्मूलन और महिलाओं के उत्थान सहित अनेक क्षेत्रों में कार्य किया था।

महात्मा ज्योतिबा फूले और उनकी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फूले ने दलितों और महिलाओं को शिक्षा प्रदान करने के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई थी और जीवन भर बालिकाओं की शिक्षा के लिए संघर्ष किया था।

महात्मा फूले यह मानते थे कि सामाजिक बुराइयों का सामना करने के लिए महिलाओं और वंचितों को शिक्षा के माध्यम से जागृत करना ही एकमात्र समाधान है।

उन्होंने विधवाओं की शोचनीय दशा पर ध्यान दिया था और युवा विधवाओं के लिए एक आश्रम की स्थापना की थी। उन्होंने समाज में विधवाओं की स्थिति को देखते हुए विधवा विवाह को प्रोत्साहित करने का कार्य किया था।

जैसाकि हम सब जानते हैं कि हम सबका एक प्राथमिक उद्देश्य पिछड़े और वंचित वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना है ताकि वे इसे एक साधन के रूप में उपयोग कर अपनी स्थिति सुधार सकें।

ऐसा प्रत्येक समाज जो सामाजिक न्याय की स्थापना करना चाहता है, जो अपने नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारना चाहता है, उनकी प्रतिभा को निखारना चाहता है, उसे अपने समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। यही कार्य एक समतामूलक और मानवतावादी समाज के निर्माण की गारंटी हो सकता है जिसमें कमजोर वर्गों का शोषण के लिए कोई जगह नहीं है।

साथियो, यहां मैं एक बात और कहना चाहूंगा। मैं आप सबसे एक अनुरोध करना चाहता हूँ। अपने समाज की कुरीतियों को अपने-आप से बेहतर कोई जान और समझ नहीं सकता है। उन्हें दूर करने का प्रयास भी हमारे अपने स्तर पर ही होना चाहिए।

दूसरी बात यह है कि हम सबकी अपनी-अपनी पहचान है, किंतु सबकी पहचान मिलाकर ही भारत की सच्ची तस्वीर बनती है। बृहद रूप में हम सब भारतवासी हैं। इसलिए अपने समाज के हित के साथ हमें देशहित को भी साथ लेकर चलना होगा। बल्कि देश हित को ही सर्वोपरि बनाना होगा। यह समझने की बात है कि देश हित के विरुद्ध कोई भी बात समाज के हित में हो ही नहीं सकती।

देवियो और सज्जनो, शराब और अवैध मादक द्रव्यों का सेवन हमारे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। हाल ही में, पूरे विश्व में युवा पीढ़ी में नशीली दवाओं के सेवन में वृद्धि हुई है और भारत इसका अपवाद नहीं है। इससे युवाओं के शैक्षणिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक और शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, उनका जीवन बर्बाद हो रहा है तथा सैंकड़ों परिवार भी प्रभावित हो रहे हैं।

नशीली दवाओं की लत से प्रभावित लोगों को सहारा और सहायता प्रदान करना तथा उनके पुनर्वास और उन्हें राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल करने की सुविधा प्रदान करना एक बड़ी चुनौती है। इस दिशा में समाज ने अच्छा और प्रेरणादायी काम किया है।

मुझे आशा है कि बहुत से लोग और संगठन नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति के कार्यकलापों से प्रेरणा लेंगे।

उपर्युक्त कार्यकलापों के अलावा, मृत्यु भोज को हतोत्साहित करने के लिए समिति के प्रयास वास्तव में उल्लेखनीय हैं। इससे फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति द्वारा हमारे समाज के समक्ष आ रही चुनौतियों का समाधान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का पता चलता है।

मैं समिति के सदस्यों को उनकी प्रेरणादायी समाज सेवा के लिए बधाई देता हूं। आज के इस अवसर पर मैं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों को बधाई देता हूँ।

साथियो, लोकतंत्र एक ऐसा मॉडल है जिसका अनुसरण छोटी-बडी सभी संस्थाएं करती हैं जिसमें सबकी आवाज को मौका मिलता है। आप सब फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति के सदस्यों का जनमत प्राप्त कर विभिन्न पदों के लिए निर्वाचित हुए हैं।

अब समूची समिति को साथ लेकर चलने और टीम भावना से अपनी संस्था के कल्याण और उन्नति के लिए काम करने का दायित्व आपको पूरा करना है। इस कार्य में आपको सबका सहयोग सदैव प्राप्त होता रहे, ऐसी मेरी मंगलकामना है।

मुझे विश्वास है कि फूलमाली सैनी विकास महासंघ समिति अपने समाज के लोगों के साथ-साथ देश के विकास और कल्याण के लिए नि:स्वार्थ भाव से काम करती रहेगी। साथ ही, समाज के सदस्यों के सामने आ रही विविध समस्याओं को दूर करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करेगी।

मैं इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को एक बार पुन: बधाई देता हूं और नव निर्वाचित निकाय के सभी भावी कार्यकलापों की सफलता की कामना करता हूं।